राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–165/2024

शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण और स्तरीय शिक्षा दी जानी चाहिए –राज्यपाल

पटना, 18 अगस्त, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने ट्रांसपोर्ट नगर, पटना में माँ शारदा कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य का निर्माण करना है। मनुष्य के निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को समझाना होगा कि शिक्षण संस्थानों से प्राप्त उपाधियों का उद्देश्य सिर्फ नौकरी प्राप्त करना नही है। अभिभावक भी अपने बच्चों से नौकरी प्राप्त करने की अपेक्षा रखते हैं। उन्हें बच्चों को समझाना चाहिए कि वे अपने पैरों पर खड़ा हों और नौकरी की तलाश करने के बजाए रोजगार का सृजन करनेवाला बनें। अभिभावक इसमें बच्चों को सहयोग करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 विद्यार्थियों को इस हेतु सक्षम बनाने में उपयोगी है। यह नीति बच्चों को अपनी मिट्टी को जोड़े रखने और अच्छा व्यक्ति (Good Human Being) तैयार करने वाली शिक्षा पर जोर देती है।

राज्यपाल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण और स्तरीय शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बच्चों को कोचिंग संस्थानों में नही जाना पड़े। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि माँ शारदा कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, पटना की शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग पहचान होगी और यह विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा दे सकेगा।

उन्होंने बिहार के विश्वविद्यालयों में शोध एवं अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह इनका प्राथमिक कार्य होना चाहिए। शोध कार्य समाजोपयोगी होना चाहिए और उसका रिपोर्ट समाज के सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को समाज सेवा का साधन बनना चाहिए। ऐसा करके हम भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना पूरा कर सकते हैं।

कार्यक्रम को पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० रास बिहारी प्रसाद सिंह, प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ० एच०एन० दिवाकर एवं पटना मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ० विद्यापति चौधरी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर माँ शारदा कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, पटना की चेयरमैन श्रीमती गुंजन वर्मा, अध्यापकगण एवं छात्र–छात्राएँ तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....